

erleidet; = अभियङ्ग AK. 3, 4, 3, 25. = तिरस्क्रिया, तिरस्कार H. 441. H. an. MED. HALĀJ. 4, 19. परभवस्य कैतन्मुखं यदतिमानः Hochmuth kommt vor dem Fall ÇAT. BR. 5, 1, 1, 1. शत्रु° MĀRK. P. 18, 28. R. 6, 11, 32. Inscr. in Journ. of the Am. Or. S. 6, 504, ÇI. 13. व्याधिशोकपरभवम् HARIV. 9388. यत्र रामो ऽभयं तत्र नास्ति तत्र परभवः R. 2, 48, 14. 6, 102, 34. KUMĀRAS. 2, 22. यस्य नेच्छेत्परभवम् Spr. 164. BHĀG. P. 5, 1, 1, 5, 5. कृष्णायाः कीचकेन परभवम् MBH. 4, 464. गन्धर्वक्यः 837. 857. KATHĀS. 12, 118. BHĀG. P. 3, 15, 7. 4, 3, 25. 6, 7, 22. न परभवमाप्नोति प्रक्रादपि PAÑĀKĀT. Pr. 11. तीर्णा दुःसहृदुर्वासःप्रभृतिभ्यः परभवम् KATHĀS. 28, 49. °वमनुभवतु GĪT. 12, 2. जगाम °वम् KATHĀS. 34, 212. Spr. 312. याति °वम् 168. अयेति °वम् 1178. धर्मदार्° eine der gesetzmässigen Gattin zugefügte Beleidigung R. 3, 57, 9. संतोषेण विना °पदं प्राप्नोति मूला जनः Spr. 821. तदा परभवपदं भविष्यसि Gegenstand der Geringachtung ÇUK. in LA. 43, 9. — 3) Bez. des 40sten (4ten) Jahres im 60jährigen Jupiter-cycclus VARĀH. BRH. S. 8, 42. Journ. of the Am. Or. S. 6, 180; vgl. परावमु.

पराभाव (wie eben) m. Niederlage: दानवेन्द्राणाम् Anū. 10, 45. st. पराभावाय भारत hat MBH. 3, 12242: अभावाय परंतप.

पराभावुक (wie eben) adj. dem Untergang entgegengehend: राष्ट्र KĀTH. 27, 8.

परामित HARIV. 14533 wohl fehlerhaft für परमित von Almosen Anderer lebend.

परभूति (von भू mit परा) f. Niederlage, eine Demüthigung, die man erleidet, AV. 12, 5, 35. अभूति, निर्भूति, परभूति 16, 5, 5. 7, 1, 8, 5. BHĀG. P. 2, 6, 9. भूरिचौर° KATHĀS. 25, 8. न परभूति जनादाप्नोति Spr. 146. PAÑĀKĀT. II, 201.

परामर्श (von मर्ष् mit परा) m. 1) das Schleppen: केश° an den Haaren MBH. 7, 1399. — 2) das Spannen (des Bogens) R. 1, 76, 17 (77, 49 GORR.). — 3) die Zufügung eines Leides, die an Jmd verübte Gewaltthat, Angriff auf Jmd oder Etwas: याज्ञसेन्याः (obj.) MBH. 3, 10874. 16540. 4, 526. 674. R. 3, 7, 30. 31. 6, 81, 15. परदारिषु MBH. 3, 15060. दीर्घरागपरामर्षमवाप so v. a. wurde von einer langen Krankheit heimgesucht MĀRK. P. 73, 4. तपःपरामर्शविवृद्धमन्यु (परामर्श = आस्कन्दन MAL-LIN.) durch den auf die Kasteiungen gerichteten Angriff KUMĀRAS. 3, 71. — 4) das sich-zur-Erinnerung-Bringen, das sich-Vergegenwärtigen: (इदमा instr. von इदम्) प्रक्रातस्य तेनैव तत्समानाभ्यामेतद्दःशब्दाभ्यां वा परामर्शो युक्तो न तच्छब्देन SĀH. D. 224, 12. fg. 29, 19. Z. d. d. m. G. 7, 306, N. 3. MÜLLER, SL. 87. VEDĀNTĀS. (Allah). No. 33. 89. Schol. bei WILSON, SĀMĀHJAK. S. 180. Schol. zu P. 8, 2, 108. Reflexion, Betrachtung H. 322. BHĀSHĀP. 65. ईदृशे तु परामर्शो वर्तमानस्य MBH. 7, 4188. 1, Kap. 142 in der Unterschr. Kap. 4, 17. °जन्यं ज्ञानमनुमितिः TABRAS. 29. Verz. d. B. H. No. 705. ÇAÑK. zu BRH. ĀR. Up. S. 100. निःपरामर्श (es ist निष्प° zu lesen) nicht weiter nachdenkend MĀLAV. 43, 4. Bisweilen fälschlich परामर्ष geschrieben.

परामर्शन (wie eben) = परामर्श 4. MADHJ. 41 (परामर्षणा).

परामर्शिन (von परामर्श) adj. dem Geiste vorführend, vergegenwärtigend: तच्छब्दः (das Wort तत् पूर्वपरामर्शी Schol. zu KĀURĀP. 1.

1. परामृत (पर + मृत) n. Regen TRĪK. 1, 1, 33.

2. परामृत (पर + मृत) adj. der den Tod besiegt hat, keinem ferneren

Tode mehr unterworfen: ते ब्रह्मलोकेषु परात्काले परामृताः परिमृच्यन्ति सर्वे MUNḌ. UP. 3, 2, 6. परममृतमरणधर्मकं ब्रह्मात्मभूतं येयो ते परामृता एव ÇAÑK.

परायणा (von 3. इ mit परा) 1) n. a) das Weggehen, Hingang: न्ययन, प° RV. 10, 19, 4. व्ययन, प° 5. मधुमन्मे परायणं मधुमत्पुत्रारयनम् 24, 6. 142, 8. AV. 1, 34, 3. — b) der Weg des Hingangs: इदं वै द्वा घ्रायायतेदमस्य परायणम् AV. 10, 4, 7. — c) das letzte Ziel, die letzte Zuflucht, Zuflucht; der Inbegriff von Allem, Haupt, Hauptsache, summa: यो वै तं पुरुषं विश्वात्सर्वस्यात्मनः परायणम् ÇAT. BR. 14, 6, 9, 11. fgg. PRAÇNOP. 1, 10. स दैवमेवाश्रयते नान्यतत्र °णाम् MBH. 1, 1624. भयात्सर्वेषु लोकेषु नाधिज्ञगम्: °णाम् 6848. 8364. HARIV. 14702. भवानत्र °णाम् MBH. 1, 1142. 1219. स हि नाद्यो ऽस्य जगतः स गतिः स °णाम् R. 2, 48, 14. 74, 29. R. GORR. 2, 77, 15. न सुखीणो भर्तुरन्यत्परायणम् KATHĀS. 39, 2. BHĀG. P. 1, 11, 6. 8, 2, 31. कृत्तः °णं चैयो ज्योतिषामिव चन्द्रमाः MBH. 7, 8270. राजा त्राता तु लोकस्य कथं च स्यात्परायणम् 12, 2929. 14, 2382. 13, 154. तस्माच्चतः °णाम् 14, 46. एष धर्मपरो नित्यं वीर्यस्यैष °णाम् der Inbegriff alles Heldenmuths R. 1, 65, 27. एष बुद्धधिको लोके तपसश्च °णाम् 23, 10 (vgl. MBH. 4, 2269, wo st. dessen das m. steht). अर्थ° der ganze Vortheil 3, 38, 26. किं वलं परमं तुभ्यं किं श्रुतं किं °णाम् was steht dir über Alles? MBH. 14, 2693. °णं करु sein Möglichstes thun 6, 3929. Am Ende eines adj. comp. (f. आ) dieses oder jenes zur Hauptsache machend, sich einer Sache ganz widmend, mit allem Eifer einer Sache obliegend, ganz in Etwas aufgehend, ganz in Beschlag genommen durch: अग्निहोत्र° M. 4, 10. आशीर्वाद्° MBH. 1, 1332. शांतिस्वस्ति° 1334. सत्यधर्म° 3, 2482. Spr. 706. SUND. 2, 17. BHAG. 5, 17. R. 1, 6, 18. 34, 40. 51, 27. 57, 3. 62, 11. 63, 10. 2, 26, 37. PAÑĀKĀT. 188, 12. VET. in LA. 1, 14. ÇUK. ebend. 39, 3. Inscr. in Journ. of the Am. Or. S. 7, 6, ÇI. 17. धन° BHARTḤ. 2, 46. शोक° N. 23, 1. MBR. 5, 7478. R. 1, 2, 31. 2, 41, 14. 3, 52, 17. 6, 94, 6. मोह° KUMĀRAS. 4, 1. अनन्य° (हृदय) ÇĀK. 67. सर्वं तत्कालं मत्परायणम् steht in Beziehung zu mir 35. गाडुपरायणकृतं PAÑĀKĀT. 126, 2 kann, wenn die Lesart richtig ist, nichts Anderes bedeuten als im Kop/kissen versteckt. — d) a religious order or division WILSON nach ÇABDĀRTHAK. — 2) adj. nur in den folgenden Stellen: (शिशवः) पूर्वेषां नः परायणाः auf die unsere Vorfahren alle ihre Hoffnung gesetzt haben MBH. 1, 8367. एष बुद्धाधिको लोके तपसां च परायणाः 4, 2269 (vgl. R. 1, 23, 10, wo st. dessen das n. steht). चेतस्तस्य परायणाः seinem Sinne sich anschliessend, ganz in seine Gedanken eingehend R. 1, 7, 9. या ह्यस्य परमा शक्तिर्ज्ञपस्य च परायणां so v. a. zum Siege führend MBH. 7, 9252. कस्य कालः परायणाः wem ist die Zeit unterthan? R. 4, 24, 5. In der letzten Bed. ohne Zweifel von पर ein Fremder, ein Anderer. — Nach H. 383 und HALĀJ. 2, 197 ist परायणाः = आसक्तः, तत्परः; nach AK. 3, 3, 2 °णाम् = आसङ्गचनम्; nach MED. n. 102 (vgl. H. an. 4, 83, wo dieselben drei Bedeutungen dem in MED. vorangehenden Worte परायणा zugetheilt werden) °णाम् = अभीष्ट, तत्पर und आश्रय. — 3) m. N. pr. eines Schülers des Jāgūāvalkja VĀJU-P. in Verz. d. Oxf. H. 55, a, 36.

परायणवत् (von परायणा) adj. den Höhepunkt einnehmend, auf der höchsten Stufe stehend: अधिष्ठानवती लक्ष्मीः परायणवती मतिः MBH. 1, 8055.

परायति (परा + यति) m. in der Stelle: सहस्रणीतिर्यतिः परायती